

SHRI SHANKAR MAHADEVAN NARAYAN

Shri Shankar Mahadevan Narayan is a prominent Indian singer and music composer. He has made his mark not only in the Indian music scenario but internationally too. His journey is the one which contributes and enriches both the audiences and society at large.

2. Born on March 3, 1967, Shri Mahadevan did his BE in Computer Science. He started his career working as a Software Engineer, until music, which was his true calling beckoned him. Through his early days, he trained in Carnatic and Hindustani Classical music. It was with his album, Breathless that he made an indelible imprint in the hearts of the people in India and world over. The title track was one of its kind capturing the imagination of the people all over the world. His musical journey started when he played the Veena at the age of 13 in Ram Shyam Gun Gaan a devotional album featuring Pt. Bhimsen Joshi and Smt. Lata Mangeshkar.

3. In the last two decades, Shri Mahadevan has been performing all over the world with his varied repertoire covering Indian Classical, Jazz, Fusion, Rock, Folk, Film and spiritual music. His music is constantly evolving, breaking barriers and challenging the boundaries of every genre. Sure enough, this has led to him collaborating with some of the greatest musicians from India and abroad. Some of these legendary names include Ustaad Zakir Hussain, Late U. Srinivas, and John McLaughlin. His collaboration with the band Shakti was a renaissance for the Indian classical and fusion music scene as many young audiences were lured to this kind of music.

4. Shri Mahadevan has always used music as a tool to communicate and reach out to the people of our country conveying diverse social messages. He has given his voice to several Anthems including an anthem for AIDS awareness, an anthem for Lead India, an anthem for Teach India, an anthem for the Girl child – Laadli and an anthem to end corruption called “mujhse hogi shuruat”. He was invited by the Indian Army to sing for them on KARGIL DIVAS at Drass(Kargil). As a singer, he is probably the only artist who has given playback to all the film stars from Hindi, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam and Marathi film industry. He had the honor of performing at the Rashtrapati Bhavan in front of His Excellency Late Dr. Abdul Kalam and recently His Excellency Dr. Pranab Mukherjee. He has also represented India on two occasions at the prestigious UN Assembly Hall in New York. He is the Brand Ambassador for Akshay Patr, a midday meal program which feeds 1.5 million children per day; with an aim not just to fight hunger but also to bring children back to school.

5. Shri Mahadevan founded the Shankar Mahadevan Academy seven years ago. This online academy today boasts of thousands of students from over 76 countries. Students are trained in Indian Classical music in the Guru Sishya Parampara using cutting edge technology. His zeal for exploring newer territories has led him to bagging a lead role in a Marathi musical drama, Katyar Kaljhat Ghusli, for which he sang and composed music too – a refreshing change for someone has been the voice for every major actor in the country. Recently he has sung the Non Stop India anthem in his breathless style depicting the progress which India has made.

6. Shri Mahadevan is the recipient of Four National Awards and the only artist in the country to receive them for either singing or composing. Apart from this he has also received various State Awards from Kerala and Andhra Pradesh presented by Smt. Lata Mangeshkar and Shri Yesudas. Along with his partners Ehsaan and Loy, he has been composing music for Hindi, Tamil, Telugu and Marathi films for the past 19 years and have won innumerable awards through this musical journey.

पद्म श्री



श्री शंकर महादेवन नारायण



श्री शंकर महादेवन नारायण एक प्रमुख भारतीय गायक तथा गीतकार हैं। आपने न केवल भारतीय संगीत पटल पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ी है। आपकी संगीत यात्रा ने श्रोताओं और समूचे समाज दोनों के लिए योगदान दिया है और उन्हें समृद्ध बनाया है।

2. आपका जन्म 03 मार्च, 1967 को हुआ। आपने कम्प्यूटर विज्ञान में बी.ई. की डिग्री ली। आपने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में अपना करियर शुरू किया और उसके बाद अपने सच्चे प्यार संगीत को अपनाया। अपने आरंभिक दिनों में आपने कर्नाटक और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ग्रहण की। आपने अपने एल्बम 'ब्रेथलैस' से भारत और पूरे विश्व के लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। इसके अनूठे टाइटल ट्रैक ने भी पूरी दुनिया के लोगों का ध्यान आकृष्ट किया। आपकी संगीत यात्रा तब शुरू हुई जब आपने 13 वर्ष की आयु में 'राम-श्याम गुणगान, जो कि पंडित भीमसेन जोशी तथा श्रीमती लता मंगेशकर का भक्ति एल्बम है, में वीणा बजाई।

3. शंकर महादेवन ने पिछले दो दशकों के दौरान, भारतीय शास्त्रीय, जैज, फ्यूजन, रॉक, लोक, फिल्म तथा आध्यात्मिक संगीत की विविध गायन शैली का प्रदर्शन पूरे विश्व में कर रहे हैं। आपका संगीत लगातार विकसित हो रहा है, बाधाओं को तोड़ रहा है तथा प्रत्येक विधा की सीमाओं को चुनौती दे रहा है। निश्चित रूप से, इसके परिणामस्वरूप, आपको भारत और विदेश के कुछ महानतम संगीतकारों के साथ मिलकर कार्य करने का अवसर मिला। इन कुछ बड़ों नामों में उस्ताद जाकिर हुसैन, स्व. यू. श्रीनिवास और जॉन मेक लॉलीन शामिल हैं। बैंड शक्ति के साथ कार्य करना भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा फ्यूजन संगीत परिदृश्य में एक पुनर्जागरण था क्योंकि कई युवा श्रोता इस प्रकार के संगीत की ओर आकृष्ट हुए।

4. शंकर महादेवन ने हमेशा संगीत का उपयोग अपने देश के लोगों से संवाद करने तथा उन तक पहुंचने के एक साधन के रूप में किया है। आपके संगीत से लोगों को विविध सामाजिक संदेश मिले। आपने कई गीतों को अपनी आवाज दी है जिनमें एड्स जागरूकता के लिए गीत, लीड इंडिया के लिए गीत, टीच इंडिया के लिए गीत, गर्ल चाइल्ड – लाडली के लिए गीत तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए 'मुझसे होगी शुरुआत' नामक गीत शामिल है। आपको भारतीय सेना द्वारा द्रास (कारगिल) में कारगिल दिवस पर उनके लिए गाने हेतु आमंत्रित किया गया। एक गायक के रूप में आप शायद एकमात्र ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और मराठी फिल्म उद्योग के सभी फिल्म स्टारों को अपनी आवाज दिया है। आपको महामहिम स्वर्गीय डॉ. अब्दुल कलाम, महामहिम डॉ. प्रणब मुखर्जी के सम्मुख राष्ट्रपति भवन में गाने का सम्मान प्राप्त हुआ है। आपने न्यूयार्क में प्रतिष्ठित यू.एन. एसेम्बली हॉल में दो अवसरों पर भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है। आप अक्षय पात्र, जो न केवल भूखमरी से लड़ने बल्कि बच्चों को वापस स्कूल भेजने के उद्देश्य से प्रतिदिन 1.5 मिलियन बच्चों को भोजन प्रदान करने वाला एक मध्याह्न भोजन कार्यक्रम है, के ब्रांड एम्बेसेडर हैं।

5. आपने सात वर्ष पहले शंकर महादेवन एकेडमी की स्थापना की। इस ऑनलाइन एकेडमी में वर्तमान में 76 से अधिक देशों के हजारों विद्यार्थी हैं। विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण दिया जाता है। नये-नये क्षेत्रों में कार्य करने के आपके उत्साह के परिणामस्वरूप आपको मराठी संगीत नाटक, 'कटियार कल्झट घुसली' में प्रमुख भूमिका मिली जिसके लिए उन्होंने संगीत की रचना की और इसे गाया भी – यह एक ऐसे व्यक्ति के लिए सुखद परिवर्तन रहा जो देश में प्रत्येक प्रमुख अभिनेता की आवाज रहे हैं। हाल में आपने भारत द्वारा हासिल प्रगति को चित्रित करते हुए ब्रेथलेस शैली में 'नॉन स्टॉप इंडिया' गीत का गायन किया।

6. आपको 'चार राष्ट्रीय पुरस्कार' मिले हैं तथा आप देश के एकमात्र ऐसे कलाकार हैं जिनको गाने या रचना करने के लिए ये पुरस्कार मिले हैं। इसके अतिरिक्त, आपको केरल और आंध्र प्रदेश से कई राज्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं जो श्रीमती लता मंगेशकर और श्री येसुदास द्वारा प्रदान किए गए हैं। अपने पार्टनर एहसान और लॉय के साथ मिलकर पिछले 19 वर्षों से हिंदी, तमिल, तेलुगु और मराठी फिल्मों के लिए संगीत रचना कर रहे हैं और अपनी संगीत यात्रा के दौरान, आपने अनगिनत पुरस्कार अर्जित किए हैं।